>

Title: Need for inclusion of any language spoken by more than 20 per cent population of any state in the school curriculum.

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (उत्तर पूर्व दिल्ली) : यह हम सब जानते हैं कि आजकल रोजगार और बेहतर भविष्य के लिए कामगारों का एक राज्य से दूसरे राजय को पलायन सामान्य सी बात हो गई है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से लोग मुम्बई और दिल्ली जैसे महानगरों में पलायन करते हैं तो दक्षिण के लोग उत्तर के राज्यों की ओर पलायन करते हैं। यह पलायन कई बार इतनी बड़ी संख्या में होता है कि स्थानीय जनसंख्या का स्वरूप ही बदल जाता है। यहां यह बात महेनजर रखनी चाहिए कि पलायन करके आने वाले यह लोग जहां अपनी मेहनत से अपनी रोजी–रोटी जुटाते हैं तो दूसरी तरफ यह विकास की गति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

इस तरह पलायन करके दूसरे राज्यों के रहने वाले लोगों के बच्चे अपनी मातृभाषा में ही स्कूल शिक्षा प्राप्त करने में सहज महसूस करते हैं। अतः मेरा सरकार से निवेदन है कि जिस प्रदेश में ऐसी प्रवासी जनसंख्या 20 प्रतिशत से अधिक है, उन्हें उनकी भाषा में स्कूली शिक्षा प्रदान करने का प्रावधान किया जाए तथा इसी प्रावधान के अंतर्गत दिल्ली में पूर्वांचल के लोगों के लिए उनकी मातृभाषा में स्कूल शिक्षा प्रदान करने के लिए स्कूली पाठ्यक्रम में समुचित प्रावधान किया जाए।